

7

पत्र संख्या-वाद-परिपत्र/2021-22/

1096

/वाणिज्य कर

कार्यालय कमिश्नर, वाणिज्य कर,  
(वाद अनुभाग)  
लखनऊः दिनांकः 13 दिसम्बर 2021

समस्त एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-1/ग्रेड-2 वाणिज्य कर,  
ज्वाइण्ट कमिश्नर वाणिज्य कर,  
डिप्टी कमिश्नर/असिस्टेन्ट कमिश्नर /वाणिज्य कर अधिकारी, वाणिज्य कर,  
उत्तर प्रदेश।

(वाद अनुभाग)

लखनऊः दिनांकः 13 दिसम्बर 2021

विषय- रिट टैक्स संख्या-819/2021 सर्वश्री ए0वी0 कंस्ट्रक्शन बनाम कमिश्नर वाणिज्य व 2  
अन्य के मामले में मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णय दिनांक-30/09/2021 के  
संबंध में।

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णय दिनांक-  
30/09/2021(प्रति संलग्न) का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा रिट टैक्स  
संख्या-819/2021 सर्वश्री ए0वी0 कंस्ट्रक्शन बनाम कमिश्नर वाणिज्य व 2 अन्य के मामले में  
मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद द्वारा दिनांक-30/09/2021 में निम्नवत् निर्णय दिया गया  
है।

"1-Present writ petition is directed against the order dated 12.08.2021 passed by  
the Additional Commissioner, (Appeal), Uttar Pradesh Goods and Service Tax,  
Varanasi. By that order, the said Appellate Authority has dismissed the petitioner's  
appeal filed under Section 129(3) of the Uttar Pradesh Goods & Services Tax Act,  
2017 (hereinafter referred to as the 'Act') as time barred.

2. Undisputedly, the appeal was filed with a delay. The delay was sought to be  
explained on account of illness of the petitioner. Perusal of Section 107(2) read  
with Section 107(4) of the Act reveals that against the order passed by the  
Assistant Commissioner, Uttar Pradesh Goods and Service Tax, Varanasi, dated  
19.09.2019, the appeal could have been filed within three months from the date of  
communication. The delay, if any, in filing such appeal could be condoned under  
Section 107(4) of the Act which provides that the delay not exceeding one month  
beyond the period of three months may be condoned by the assessing authority  
on being satisfied. In the instant case, against the order dated 19.09.2019, the  
petitioner had filed the appeal on 05.08.2021. Thus, the appeal was filed well  
beyond the period of 19 months and 17 days.

Adm  
15/12/2021  
DC  
14-12-21

3765

3. Section 107(2) read with Section 107(4) of the Act is a complete Code, insofar as the limitation to file the appeal is concerned. The principle of Section 5 of the Limitation Act, 1963 would have no application in face of such law which is a complete Code in itself for the purpose of appeal contemplated under Section 107 of the Act.

4. Thus, the admitted delay of 19 months and 17 days could not have been condoned. Consequently, the Appellate Authority has committed no error in rejecting the appeal as time barred.

5. The present writ petition is devoid of merit and is accordingly dismissed, leaving it open to the petitioner to seek such remedy as may be otherwise available."

प्रश्नगत रिट याचिका एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-2 अपील वाणिज्य कर वाराणसी द्वारा पारित आदेश दिनांक-12/08/2021 के विरुद्ध थी। उक्त अपील दाखिल करने में 19 माह और 17 दिनों का विलम्ब था। मा0 उच्च न्यायालय द्वारा अपीलीय प्राधिकारी द्वारा समयबाधित अपील को खारिज करने में कोई त्रुटि नहीं करना बताया गया है।

आप अवगत हैं कि उत्तर प्रदेश माल और सेवाकर अधिनियम 2017 की धारा-107(1) के प्रावधानों के अनुसार आदेश संसूचित किए जाने के तीन माह के भीतर किसी व्यक्ति द्वारा अपील की जा सकती है। धारा-107(4) के अनुसार अपील प्राधिकारी कारणों से संतुष्ट होने पर एक मास की अतिरिक्त अवधि इस हेतु अनुज्ञात कर सकेगा। इसके बाद अपील हेतु कोई अतिरिक्त समय दिए जाने का प्रावधान इस अधिनियम में नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा इसी की पुष्टि करते हुए निर्णय दिया गया है कि माल और सेवाकर अधिनियम की संबंधित धारा स्वयं में अपील की समयसीमा निर्धारित करने हेतु पूर्ण विधि है। अतः लिमिटेशन एक्ट 1963 की धारा-5 का इस हेतु कोई उपयोग नहीं है।

अतः मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्णय दिनांक-30/09/2021 की प्रति आपको इस पत्र के साथ संलग्नकर इस आशय से प्रेषित की जा रही है कि मा0 न्यायालय द्वारा दिये गये उक्त निर्णय को संज्ञान में लेते हुए संबंधित मामलों में अग्रिम कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्नक—उपरोक्तानुसार।

(मिनिस्ती एस0)

कमिश्नर,

वाणिज्य कर, उत्तर प्रदेश



पृष्ठांकन पत्र संख्या व दिनांक उक्त।

प्रतिलिपि-1-समस्त एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-1 वाणिज्य कर उत्तर प्रदेश को इस आशय से प्रेषित कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों को उक्त से अवगत कराते हुए पूर्ण परिपालन सुनिश्चित करायें।

2-एडीशनल कमिश्नर ग्रेड-1/ग्रेड-2 (उच्च न्यायालय कार्य) वाणिज्य कर प्रयागराज/लखनऊ को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

3-ज्वाइन्ट कमिश्नर (सर्वोच्च न्यायालय कार्य) वाणिज्य कर गाजियाबाद को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

✓ 4-ज्वाइन्ट कमिश्नर (आई0टी0) वाणिज्य कर मुख्यालय को इस आशय से प्रेषित कि समस्त अधिकारियों को सूचित करने हेतु उक्त को विभागीय वेब-साईट पर प्रकाशित करने का कष्ट करें।

13/11/2021  
एडीशनल कमिश्नर (विधि), वाणिज्य कर,  
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

**Court No. - 2**

**Case :- WRIT TAX No. - 819 of 2021**

**Petitioner :- M/S A V Construction**

**Respondent :- Commissioner And 2 Others**

**Counsel for Petitioner :- Punit Kumar Upadhyay**

**Counsel for Respondent :- C.S.C.**

**Hon'ble Suneet Kumar,J.**

1. Present writ petition is directed against the order dated 12.08.2021 passed by the Additional Commissioner, (Appeal), Uttar Pradesh Goods and Service Tax, Varanasi. By that order, the said Appellate Authority has dismissed the petitioner's appeal filed under Section 129(3) of the Uttar Pradesh Goods & Services Tax Act, 2017 (hereinafter referred to as the 'Act') as time barred.
2. Undisputedly, the appeal was filed with a delay. The delay was sought to be explained on account of illness of the petitioner. Perusal of Section-107(2) read with Section 107(4) of the Act reveals that against the order passed by the Assistant Commissioner, Uttar Pradesh Goods and Service Tax, Varanasi, dated 19.09.2019, the appeal could have been filed within three months from the date of communication. The delay, if any, in filing such appeal could be condoned under Section 107(4) of the Act which provides that the delay not exceeding one month beyond the period of three months may be condoned by the assessing authority on being satisfied. In the instant case, against the order dated 19.09.2019, the petitioner had filed the appeal on 05.08.2021. Thus, the appeal was filed well beyond the period of 19 months and 17 days.
3. Section 107(2) read with Section 107(4) of the Act is a complete Code, insofar as the limitation to file the appeal is concerned. The principle of Section 5 of the Limitation Act, 1963 would have no application in face of such law which is a complete Code in itself for the purpose of appeal contemplated under Section 107 of the Act.
4. Thus, the admitted delay of 19 months and 17 days could not have been condoned. Consequently, the Appellate Authority has committed no error in rejecting the appeal as time barred.
5. The present writ petition is devoid of merit and is accordingly dismissed, leaving it open to the petitioner to seek such remedy as may be otherwise available.

**Order Date :- 30.9.2021**

**Mukesh Kr.**